आई.सी.ए.आर. - एन.आई.बी.एस.एम., रायपुर में 21-दिवसीय शीतकालीन विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) द्वारा प्रायोजित "फसलों में राष्ट्रीय महत्व के कीट एवं रोगजनकों के प्रबंधन हेतु उभरती जैव-प्रौद्योगिकीय एवं बायोरेषनल हस्तक्षेप" विषय पर आधारित 21-दिवसीय शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज आई.सी.ए.आर.- राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एन.आई.बी.एस.एम.), रायपुर में सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सचिदानंद शुक्ला, माननीय कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शीतकालीन विद्यालय जैसे उन्मुखीकरण एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बदलती कृषि - पारिस्थितिकी परिस्थितियों में फसलों के पादप संरक्षण हेतु उभरती जैव-प्रौद्योगिकीय एवं बायोरेशनल तकनीकों की बढ़ती उपयोगिता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी. के. राय, निदेशक, आई.सी.ए.आर. - एन.आई.बी.एस.एम., रायपुर ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने एकीकृत कीट प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर देते हुए रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने तथा जैव-नियंत्रण आधारित उपायों को अपनाने की आवश्यकता रेखांकित की। उन्होंने फसलों में जैविक तनावों के प्रभावी प्रबंधन को टिकाऊ कृषि के लिए अनिवार्य बताया।

डॉ. अनिल दीक्षित, संयुक्त निदेशक, आई.सी.ए.आर. - एन.आई.बी.एस.एम., रायपुर एवं कोर्स डायरेक्टर ने शीतकालीन विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम युवा वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमताओं को अद्यतन एवं सुदृढ़ करने हेतु एक महत्वपूर्ण क्षमता संवर्धन पहल है, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, व्यावहारिक प्रदर्शन तथा क्षेत्र भ्रमण का संतुलित समावेश किया गया है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. श्रीधर जे. एवं डॉ. एस. के. शर्मा हैं। इस 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 11 राज्यों के विभिन्न आई.सी.ए.आर. संस्थानों एवं राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुल 25 प्रतिभागी इस शीतकालीन विद्यालय में भाग ले रहे हैं।

यह शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यावहारिक प्रशिक्षण, प्रयोगात्मक प्रदर्शन तथा संवादात्मक सत्रों के माध्यम से नवीनतम ज्ञान एवं कौशल प्रदान करेगा।

उद्घाटन कार्यक्रम में आई.सी.ए.आर. - एन.आई.बी.एस.एम., रायपुर के सभी संयुक्त निदेशक, वैज्ञानिक, संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह शीतकालीन विद्यालय कार्यक्रम 27 जनवरी से 16 फरवरी 2026 तक आई.सी.ए.आर. - एन.आई.बी.एस.एम., रायपुर में आयोजित किया जाएगा।

21-Day Winter School on Emerging Biotechnological and Biorational Interventions Inaugurated at ICAR-NIBSM, Raipur

The ICAR-sponsored 21-day Winter School training programme on “Emerging Biotechnological and Biorational Interventions for Mitigating Insect Pests and Pathogens of National Importance in Crops” was inaugurated today at the ICAR–National Institute of Biotic Stress Management (ICAR-NIBSM), Raipur.

The programme was inaugurated by Dr Sachidanand Shukla, Hon’ble Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, who was the Chief Guest of the occasion. In his inaugural address, Dr Shukla emphasized the importance of orientation-based capacity-building programmes and highlighted the role of emerging biotechnological and biorational interventions in addressing challenges of insect pests and plant pathogens under changing agro-ecological scenarios.

Dr P. K. Rai, Director, ICAR-NIBSM, presided over the function. In his presidential remarks, he stressed the importance of integrated pest management, with reduced reliance on chemicals and greater adoption of biocontrol-based approaches for sustainable management of biotic stresses in crops.

Dr Anil Dixit, Joint Director, ICAR-NIBSM and Course Director, briefed the participants about the objectives and structure of the Winter School. He stated that the programme is a capacity-building initiative aimed at strengthening the scientific and technical competencies of young scientists through a judicious mix of expert lectures, interactive sessions, hands-on practical demonstrations, and field exposures.

The programme is being coordinated by Dr. Sridhar J. and Dr S. K. Sharma, Course Coordinators. A total of 25 participants from 11 states, representing various ICAR institutes and State Agricultural Universities, have enrolled in the Winter School.

All the Joint Directors, scientists, faculty members, and staff of ICAR-NIBSM were present during the inaugural programme.

The Winter School will be conducted from 27 January to 16 February 2026 at ICAR-NIBSM, Raipur.

21-Days Winter School
on
Emerging Biotechological and Biorational Interventions for
Mitigating Insect Pests and Pathogens of National Importance in Crops
Sponsored by
Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi
Organized by
Dr. Anil Dixit
Dr. Sachchidanand Shukla
Dr. P. K. Rai

राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर
21-Days Winter School
on
Emerging Biotechological and Biorational Interventions for Mitigating Insect Pests and Pathogens of National Importance in Crops
Sponsored by
Indian Council of Agricultural Research (ICAR) New Delhi
Organized by
ICAR-National Institute of Biotic Stress Management Raipur
Date: 27.01.2026 - 16.02.2026